हिन्दुस्तानी संगीत - स्वरवाद्य में स्नातक(बी0ए0)				
उद्देश्य *- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संगीत के आधुनिक काल, श्रुति एवं स्वर, दक्षिण भारतीय संगीत, स्वर वाद्य में तंत्रकारी व गायन शैली, पाठ्यक्रम के रागों से अवगत कराना है तथा पाठ्यक्रमानुसार स्वर वाद्य के प्रयोगात्मक पक्ष की शिक्षा प्रदान करना है।*				
षष्ठम सेमेस्टर का पाठ्यक्रम कोर				
क्र0 सं0	**कोर्स शीर्षक**	**कोर्स कोड**	**अंक**	**श्रेयांक**
1	**भारतीय संगीत शास्त्र - स्वर वाद्य**	**BAMI(N)-302**	**50**	**2**
प्रथम खण्ड	**इकाई 1-** भारतीय संगीत का इतिहास - आधुनिक काल।			
	इकाई 2- श्रुति एवं स्वर की व्याख्या प्राचीन, मध्यकालीन एवं वर्तमान विद्वानों के अनुसार ।			
	इकाई 3- दक्षिण भारतीय संगीत का परिचय।			
	इकाई 4- स्वर वाद्य में तन्त्रकारी एवं गायन शैली ।			
	इकाई 5- पाठ्यक्रम के रागों दरबारी, बसन्त, परज एवं शंकरा का परिचय, स्वर विस्तार एवं स्वर समूह के माध्यम से राग पहचानना तथा उनमें मसीतखानी/विलम्बित गत एवं रजाखानी/द्रुत गत को तोड़ों सहित लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 6- पाठयक्रम की तालों पंचम सवारी एवं 9 मात्रा ताल का परिचय एवं बोल समूह द्वारा ताल पहचानना ; पाठयक्रम की तालों पंचम सवारी एवं 9 मात्रा ताल के ठेके को दुगुन, तिगुन, चौगुन एवं आड़ लयकारी सहित लिपिबद्ध करना।			
2	**प्रयोगात्मक एवं मौखिक परीक्षा VI**	**BAMI(N)-302**	**50**	**2**
द्वितीय खण्ड	**इकाई 7-** राग दरबारी एवं बसन्त का परिचय एवं स्वर विस्तार।			
	इकाई 8- राग दरबारी एवं बसन्त में मसीतखानी/विलम्बित गत एवं रजाखानी/द्रुत गत आलाप एवं तोड़े सहित।			
	इकाई 9- राग परज एवं शंकरा का परिचय एवं स्वर विस्तार।			
	इकाई 10- राग परज एवं शंकरा में रजाखानी/द्रुत गत आलाप एवं तोड़े सहित।			
	इकाई 11- पाठ्यक्रम के रागों दरबारी, बसन्त, परज एवं शंकरा में से किन्ही दो में द्रुत गत तीनताल के अतिरिक्त किसी और ताल में।			
	इकाई 12- पाठ्यक्रम के तालों पंचम सवारी एवं 9 मात्रा ताल की पढन्त।			
	इकाई 13- पाठ्यक्रम के तालों पंचम सवारी एवं 9 मात्रा ताल के ठेकों को दुगुन, तिगुन, चौगुन एवं आड़ लयकारी में पढ़ना।			
	इकाई 14- अपने वाद्य को मिलाना एवं उसका रख-रखाव।			
	इकाई 15- पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।			
राग - दरबारी, बसन्त, परज एवं शंकरा		**ताल – पंचम सवारी एवं 9 मात्रा**		
नोट- पूर्व सेमेस्टरों के पाठ्यक्रम (प्रयोगात्मक) की पुनरावृत्ति				